

प्रेषक,

विजय कुमार ढोंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 31 मार्च, 2009

विषय : कुम्भ मेला, 2010 हेतु वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्राविधानित धनराशि को निवर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय आगामी कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में प्राविधानित बजट व्यवस्था रू. 115 करोड़ के सापेक्ष योजनावार अवमुक्ति के उपरान्त अवशेष धनराशि रू. 33.1533 करोड़ (रू. तैतीस करोड़ पन्द्रह लाख तैतीस हजार मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त निवर्तन पर रखी गई धनराशि को शासन स्तर से विभिन्न कार्यों हेतु धनराशि के व्यय की पृथक-पृथक स्वीकृतियाँ, आगणन के तकनीकी परीक्षण के बाद वित्त विभाग की सहमति से, निर्गत होने पर ही किया जाएगा।
2. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार आवश्यक मदों पर ही किया जाएगा।
4. उक्त धनराशि के उपयोग के समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं मितव्ययिता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
5. उक्तानुसार आवंटित धनराशि किसी अन्य मद में व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाएगा।
6. उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययिता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा।
7. उक्त धनराशि को मेलाधिकारी द्वारा नियमानुसार उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार के पी.एल.ए. में रखा जाएगा। उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार का पदभार मेलाधिकारी के अतिरिक्त अन्य अधिकारी को हस्तगत होने की स्थिति में नए अधिकारी द्वारा शासन के अनुमोदनोपरान्त योजनावार धनराशि मेलाधिकारी को अविलम्ब उपलब्ध कराई जाएगी।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-800-अन्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 899/XXVII(2)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

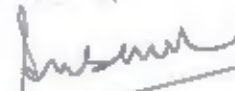
(विजय कुमार ढोंडियाल)
अपर सचिव।

संख्या : 421 (1)/IV(1)/2009 तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
7. उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 10. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,


(सुमेश चन्द्र)
अनुसचिव।